OM 15_Page 1 and 2 13-10-2014 17:01 Page 1

कुशल प्रशासक नि:स्वार्थ व भावना प्रधान होगा

रायपुर-छ.ग.। प्रशासन में उत्कृष्टता लाने के लिए अपनी सोच को सकारात्मक बनाना होगा। प्रशासक के अंदर सेवा का भाव हो, वह अपने को सेवक और जनता को स्वामी समझे। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'प्रशासन में उत्कृष्टता' विषय पर आयोजित मासिक गोलमेज परिचर्चा कार्यक्रम में लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप जोशी ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि प्रशासक सिर्फ बोलने वाला न हो, बल्कि स्वयं करके दिखाने वाला हो क्योंकि उसके आचरण का उसके अधीनस्थ लोगों पर गहरा असर पड़ता है। उसका व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि सभी उसके कार्यों से सन्तुष्ट रहें।

इस अवसर पर अपने भाव व्यक्त करते हुए विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति लाल चन्द भादू ने कहा कि प्रशासक के जीवन में अनुशासन का होना ज़रूरी है, साथ ही उसका स्वभाव शान्तिपूर्ण हो ताकि कार्यालय में शान्ति बनी रहे। इसके लिए आवश्यक है कि उसके जीवन में आध्यात्मिकता हो।

रायपुर-छ.ग.। गोलमेज सम्मेलन में उपस्थित प्रो. प्रदीप जोशी, न्यायमूर्ति लाल चन्द भादू, राम प्रकाश, सरजियस मिंज, जवाहर श्रीवास्तव, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. कमला, कौशलेन्द्र सिंह, सी.डी. टण्डन, श्रीमती किरण सिंह, ए.के. सिंघल तथा अन्य।

प्रधान वन संरक्षक राम प्रकाश ने कहा कि एक अच्छा प्रशासक वह है जो टीम भावना से काम करे और जिसके अंदर सबको साथ लेकर चलने की क्षमता हो। उसके अधीनस्थ काम करने वाले सभी लोगों को लगना चाहिए कि उनकी भी उपयोगिता है।

मुख्य सूचना आयुक्त सरजियस मिंज ने कहा कि अच्छे प्रशासक को व्यावहारिक होना बहुत ज़रूरी है। वह जब कार्यक्रम बनाए तो समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य में असीमित क्षमताएँ होती हैं, केवल उसे अवसर मिलने की ज़रूरत होती है।

सूचना आयुक्त जवाहर श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशासक भी समाज का ही हिस्सा होता है। उसे अपने को समाज से अलग हटकर नहीं समझना चाहिए। जब तक समाज में मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना नहीं की जाएगी, तब तक प्रशासन में उत्कृष्टता नहीं आ सकती।

ब्र.कु. मंजू,बिलासपुर ने कहा कि प्रशासन सिर्फ नियमों से नहीं चल सकता। प्रशासन को चलाने के लिए बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ भावनात्मक क्षमता का होना भी ज़रूरी है। एक अच्छे प्रशासक में नि:स्वार्थ प्रेम की भावना ज़रूरी है अन्यथा प्रशासन लोकोपयोगी नहीं बन सकेगा। उन्होंने कहा कि एक अच्छा प्रशासक वही बन सकता है जिसमें स्वयं के अंदर शासन करने की क्षमता और नैतिकता हो।

इस कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रशासिका ब्र.कु. कमला, मुख्य वन संरक्षक कौशलेन्द्र सिंह, एंटी करप्शन ब्यूरो के अति. पुलिस अधीक्षक सी.डी. टण्डन, महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालिका श्रीमती किरण सिंह, विधि विभाग के अति. सचिव ए.के. सिंघल ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

'अचल' सम्पत्ति चली महाप्रयाण को...

चण्डीगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अचल सम्पत्ति, भगवान के कार्य में अपने गुणों को चल सम्पत्ति के रूप में प्रयोग करने वाली दृढ़ता की प्रतिमूर्ति अचल दीदी महाप्रयाण की ओर चल पड़ी। क्षेत्रीय प्रमुख राजयोगिनी ब्र.कु. अचल दीदी जी को भावभीनी विदाई देने के लिए हज़ारों की संख्या में शहर के लोग व समस्त भारत से संस्था के श्रद्धालु राजयोग भवन सेक्टर 33 ए में सवेरे से ही इकट्ठे होने लगे थे। राजयोग भवन के म्यूज़ियम में दीदी जी के पार्थिव देह को अन्तिम दर्शनों के लिए रखा गया था। दोपहर 1 बजे शान्ति यात्रा के रूप में उनकी देह को राजयोग भवन से क्रीमेशन ग्राउंड सेक्टर 25 तक पहुँचाया गया, जहाँ हज़ारों लोगों की उपस्थिति में उनके पार्थिव देह का अन्तिम संस्कार किया गया।

दीदी जी ने अपनी नश्वर देह का मंगलवार 7 अक्टूबर को दोपहर 2.20 शनिवार 4 अक्टूबर को उन्हें ब्रेन हैमरेज होने पर इंसकोल अस्पताल सेक्टर 34 में दाखिल कराया गया था और सोमवार को उन्हें पी.जी.आई. में स्थानांतरित किया गया था। वे ब्रह्माकुमारी संस्था के चण्डीगढ़, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर व उत्तराखण्ड स्थित सैकड़ों सेवाकेन्द्रों की 1997 से प्रमुख थीं। 1953 में वे अपनी युवा अवस्था में शीघ्र ही मानवता के आध्यात्मिक उत्थान के लिए अपना जीवन ईश्वरीय सेवा में समर्पित कर दिया। 1968 में आप चण्डीगढ़ में स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका नियुक्त हुए और लगातार 45 वर्षों तक आपने चण्डीगढ़ में रहते हुए सारे उत्तर भारत की आध्यात्मिक सेवा की।

समाज सेवा प्रभाग के वाइस चेयरपर्सन दिल्ली से संस्था के अतिरिक्त मुख्य सचिव ब्र.कु. बृजमोहन, जर्मनी से यूरोपियन देशों की निर्देशिका ब्र.कु. सुदेश, माउंट आबू से शिक्षा प्रभाग के वाइस चेयरमैन ब्र.कु. मृत्युंजय, ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक ब्र.कु. प्रताप मिढ़ा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा व सुरक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. अशोक गाबा, जयपुर से सेवाकेन्द्र प्रभारी हज़ारों की संख्या में लोगों ने उनके अन्तिम संस्कार में भाग लिया।

पूर्व केन्द्रीय रेल मंत्री पवन बंसल, पूर्व सांसद सत्यपाल जैन, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस दया चौधरी, जस्टिस राजन गुप्ता सहित शहर के कई गणमान्य लोगों द्वारा इस मौके पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। संस्था के अतिरिक्त मुख्य सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि अचल दीदी का आदर्शमय जीवन सबके लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। हम उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लें। उन्होंने ममतामयी माँ की तरह सबको स्नेह व सम्मान दिया। उनके पदचिन्हों पर चलकर मानवता की सच्ची सेवा में लग जाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजली देना होगा। जर्मनी से यूरोपियन देशों की निदेशिका ब्र.कु. सुदेश ने कहा कि मूल्यों से परिपूर्ण दीदी का समस्त जीवन लोगों को गुणवान, मूल्यवान व चरित्रवान बनाने में बीता। वह सबको सच्चाई व ईमानदारी से चलाने के लिए प्रेरित करती थीं। वे निर्माणता व सहनशीलता की चैतन्य मूरत थीं, उनमें अद्भुत क्षमाशक्ति थी तथा उनका मन व चित्त सर्व के लिए सदा निर्मल रहा। एक कुशल नेतृत्व का उदाहरण पेश करते हुए हज़ारों लोगों के जीवन में आपने खुशी, शान्ति, प्रेम व आनंद का संचार किया।

चण्डीगढ़। राजयोगिनी अचल दीदी को भावभीनी श्रद्धांजली देते ब्र.कु. भाई-बहनें तथा शहर के गणमान्य जन।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th Nov 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।